Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding setting up of Pediatric Intensive Care Unit in Primary Health Centres of North Bihar.

डॉ. संजय जायसवाल (पश्चिम चम्पारण): महोदय, धन्यवाद । एक्यूट इंसेफलाइटिस सिंड्रोम या इंसेफलाइटिस सिंड्रोम हम आज भी डिसाइड नहीं कर पाए हैं कि हमें यू.के. इंग्लिश बोलनी है या यू.एस. इंग्लिश बोलनी है । चमकी बुखार का अभी तक कोई समाधान नहीं निकला है । कल राज्य सभा में माननीय प्रधान मंत्री जी ने भी कहा था कि बच्चों का बुखार से मरना देश की **70** सालों में विफलताओं की एक बहुत बड़ी पहचान है ।

मेरा आपके माध्यम से अनुरोध होगा कि जो पाँच वाइरोलॉजी सेन्टर्स बिहार में खुल रहे हैं और पटना में दो सेन्टर्स खुल रहे हैं । पटना में चमकी बुखार का प्रकोप नहीं होता है । बेतिया गोरखपुर और मुजफ्फरपुर के बीच में है ।

गोरखपुर में भी चमकी बुखार से बच्चे मरते हैं और मुज़फ्फरपुर में भी मरते हैं, पर इन दोनों के बीच जो पश्चिम चम्पारण जिला है, वहां ऐसी घटनाएं नहीं होती हैं । वहां वाइरोलॉजी सेन्टर खोला जाए । माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी कृपा करके यह सुनिश्चित करें कि हर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में एक ब्लड ग्लूकोमीटर हो और यह बता दिया जाए कि 10 पर्सेंट डेक्स्ट्रोस दवा चढ़ा देने से बच्चे मरने से बच सकते हैं क्योंकि बीमारी के बारे में तो हमें पता नहीं है ।

दूसरा, इसका प्रचार कम से कम मार्च से गोरखपुर, चम्पारण और मुज़फ्फरपुर के हर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के चारों तरफ हो ताकि जिसके बच्चे को यह बुखार हो, वह डॉक्टर से मिले । अगर आप इतना करवा देंगे तो इससे देश को बहुत बड़ी मदद होगी ।

माननीय अध्यक्ष : श्री सुधीर गुप्ता और श्री सी. पी. जोशी को डॉ. संजय जायसवाल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।